

दया इतनी सी हो जाए

दया इतनी सी हो जाए किरपा इतनी सी हो जाए,
हो ओहजल तुम माँ आँखों से कभी वो दिन नहीं आये
तुम्हारी याद चलती सांसों की तारों से जुड़ जाए,
तेरा दर हो मेरा सिर हो तमासा ये उमर भर हो
तेरे कदमों में जग जननी उमर अपनी गुजर जाए,
दया इतनी सी हो जाए किरपा इतनी सी हो जाए,

जो करदे दूर तुम से माँ ना उस सुख की तमना है
भुलादे तुम को ही जो माँ न उस धन की तमाना है,
तेरा दर हो मेरा सिर हो तमासा ये उमर भर हो
तेरे कदमों में जग जननी उमर अपनी गुजर जाए,
दया इतनी सी हो जाए किरपा इतनी सी हो जाए,

ना शोहरत मांगता मैं वो बना दे जो एहन्कारी
ना ऐसा चाहता कुछ मैं जो छीने मुझसे माँ प्यारी,
तेरा दर हो मेरा सिर हो तमासा ये उमर भर हो
तेरे कदमों में जग जननी उमर अपनी गुजर जाए,
दया इतनी सी हो जाए किरपा इतनी सी हो जाए,

बिछड़ के तुम से मैं मैया सिर्फ ठोकर ही खाऊँ गा,
तुम्हे खो कर के मैं मैया पाउगा तो क्या पाउगा,
तेरा दर हो मेरा सिर हो तमासा ये उमर भर हो
तेरे कदमों में जग जननी उमर अपनी गुजर जाए,
दया इतनी सी हो जाए किरपा इतनी सी हो जाए,

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/17993/title/daya-itni-si-ho-jaaye>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |